पंजाब केसरी
WED,06 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की आवश्यकता : प्रो. सुदेश

"भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप" विषय पर महिला विश्वविद्यालय में दो दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

गोहाना, 5 मार्च (अरोड़ा): महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह उद्गार मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का विषय "भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप" है। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबंद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। उन्होंने तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल दिया और कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया।

प्रो सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। उन्होंने आई.एस.डी. (इंडियन स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी) सहित कुछ अन्य संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व के लिए इन संस्थानों द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य आवश्यक बातें सिखाई जा रही हैं। वी.सी. ने राजनीतिक नेतृत्व पर मौलिक चिंतन करने की जरूरत उभारी और कहा कि हम जो भी करें, उसे पूरी विश्वसनीयता के साथ करें।

स्मारिका का विमोचन करते तथा स्मृति चिह्न स्वीकार करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्रिंसिपल डॉ कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। डॉ कुशल पाल ने चिंतन से पहले नेता के गुणों व विशेषताओं के बारे में जानने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय क्षमता, संवाद कौशल, सक्षम, निपुणता आदि गुण राजनीतिक नेतृत्व के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भी गुण जन्मजात नहीं होता, बल्कि इंसान मेहनत से खुद में नेतृत्व क्षमता पैदा कर सकता है। उन्होंने नेतृत्व की भूमिका को देश की दशा-दिशा निर्धारित करने में अहम बताया। दुनिया भर में नेतृत्व के अभाव पर बात करते हुए डॉ कुशल पाल ने कहा कि भारत बाकी दुनिया से अलग है और हमारे देश में नेतृत्व के लिए संवैधानिक प्रतिमान उपलब्ध है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रमेश कुमार रहे। उन्होंने भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता का संकट विषय पर अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र का संचालन डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने किया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। वी.सी. प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई। संगोष्ठी के कन्वीनर एवं राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रामपाल, संगोष्ठी निदेशक एवं आई.एच.एल. की प्रिंसिपल डा. वीणा, आयोजन सचिव डॉ सुमन कुहाड़ आदि का विशेष सहयोग रहा।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट एंड लैंग्वेजज प्रो अशोक वर्मा, डीन छात्र कल्याण प्रो श्वेता हुड्डा, प्रो इप्शिता बंसल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मे महेंद्रगढ़ प्रथम व द्वितीय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम रहीं ।

उजाला आज तक

गोहाना, 05मार्च (रामनिवास धीमान) खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि, महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक द्वारा किया गया ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण, डॉ एम एस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ ओमवीर उपस्थित रहे।बीपीएस कुलपति प्रो सुदेश ने प्रतियोगिता को छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक बताया ।भूगोल विभाग की अध्यक्षा डॉ कोकिला मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता में बीपीएस, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, चौ रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर एवं चौ बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की टीमों ने भाग लिया जिसमें प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। प्रतियोगिता में डॉ ओमवीर ने क्विज मास्टर व 10 राउंड आयोजित किए गए जिसमें सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम विजेता रहीं , द्वितीय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम रही। मौके पर कुलसचिव डॉ नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। तथा मंच संचालन श्रीलेखा चौबे का रहा । इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति ने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की बताया जरूरत

उजाला आज तक
गोहाना, 05मार्च (रामनिवास धीमान) "भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप" विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय बेहद वृहद है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबंद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता तथा भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है जिसके लिए राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने आज इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए उक्त व्यक्त किए। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्राचार्य डॉ कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रमेश कुमार शिरकत की उद्घाटन सत्र का संचालन डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई।इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा, डीन छात्र कल्याण प्रो श्वेता हुड्डा, प्रो इप्शिता बंसल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में हकेंवि की टीम रही विजेता

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा के विजेताओं के साथ कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक । स्रोतः प्रवक्ता

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की तरफ से एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की टीम विजेता रही।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि भूषण, डॉ. एमएस जागलान और डॉ ओमवीर उपस्थित रहे। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डॉ. ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 चरण आयोजित किए गए। सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम ने यह प्रतियोगिता जीती। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही। संवाद

देश में राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के किए जा रहे सतत प्रयास : प्रो. सुदेश

भास्कर न्यूज़ | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। वह मंगलवार को विवि परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में छात्राओं को संबोधित कर रही थी।

दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करती कुलपति।

प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबंधित पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके बावजूद राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। राजनीतिक नेतृत्व के लिए इंडियन स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी (आईएसडी) सहित कुछ अन्य संस्थानों द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य आवश्यक बातें सिखाई जा रही है, जो सराहनीय हैं।

लाडवा के इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता चिंतन से पहले नेता के गुणों व विशेषताओं के बारे में जानने को जरूरी बताया। वहीं महेंद्रगढ़ के हरियाणा केंद्रीय विवि के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने बतौर विशिष्ट अतिथि भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता का संकट विषय पर अपने विचार साझा किए। कुलपति ने संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया और सभी को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई। उनके अनुसार राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विवि से करीब 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर प्रो. रवि भूषण, डॉ. रामपाल, डॉ. वीणा, डॉ. सुमन कुहाड़, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. श्वेता हुड्डा, प्रो. इप्शिता बंसल आदि मौजूद रहे।

अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एचसीयू की टीम प्रथम

खानपुर कलां,गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि, महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने

किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो रवि भूषण, डॉ एम एस डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ ओमवीर उपस्थित रहे।

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक है।

भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बीपीएसएमवी, केयू, एचसीयू, सीआरएसयू, आईजीयू एवं सीबीएलयू की टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डॉ ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया।

इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। सर्वाधिक अंक लेकर एचसीयू की टीम ने यह प्रतियोगिता जीती। केयू की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुलसचिव डॉ नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए।

बदलते सामाजिक-राजनीतिक समय में भविष्य के राजनीतिक नेतृत्व के लिए उचित प्रशिक्षण जरूरी : कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, गिरिश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। जिनमें महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए व्यक्त किए। भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषयक इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध है। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल देते हुए कुलपति ने कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। उन्होंने आईएसडी (इंडियन स्कूल आफ डेमोक्रेसी) सहित कुछ अन्य संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व के लिए इन संस्थानों द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य आवश्यक बातें सिखाई जा रही हैं। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्राचार्य डॉ कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत करते हुए अपने संबोधन में चिंतन से पहले नेता के गुणों व विशेषताओं के बारे में जानने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय क्षमता, संवाद कौशल, साहस, निपुणता आदि गुण राजनीतिक नेतृत्व के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार ने भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता का संकट विषय पर अपने विचार साझा किए।

बदलते सामाजिक-राजनीतिक समय में भविष्य के राजनीतिक नेतृत्व के लिए उचित प्रशिक्षण जरूरीः कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। जिनमें महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए व्यक्त

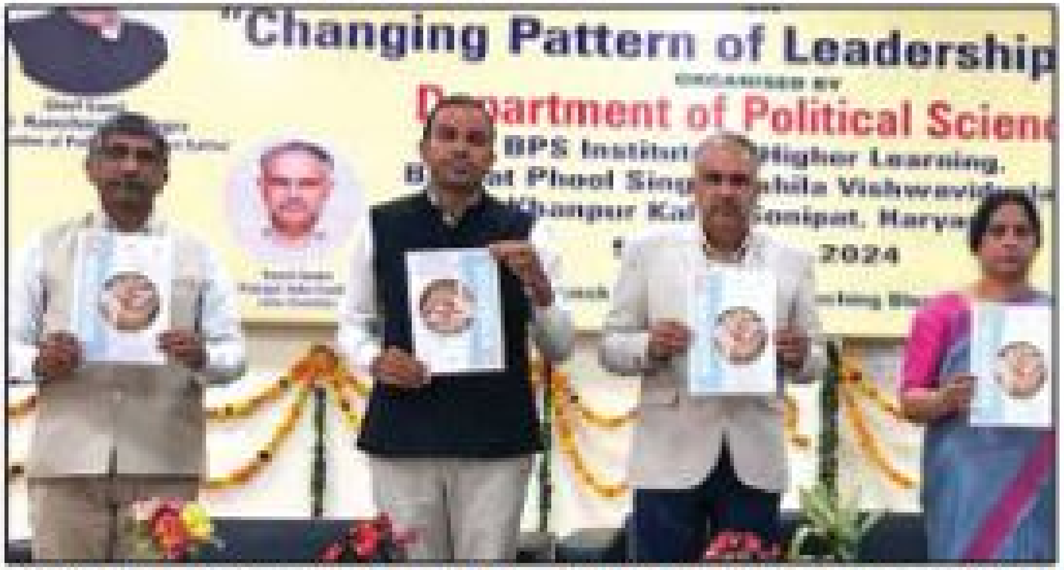

किए। भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषयक इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबंद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध है। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल देते हुए कुलपति ने कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है।

अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एचसीयू की टीम प्रथम

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि, महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण, डॉ एम एस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ ओमवीर उपस्थित रहे। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में

सहायक है।

भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बीपीएसएमवी, केयू, एचसीयू, सीआरएसयू, आईजीयू एवं सीबीएलयू की टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डॉ ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया।

इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। सर्वाधिक अंक लेकर एचसीयू की टीम ने यह प्रतियोगिता जीती। केयू की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुलसचिव डॉ नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस दौरान विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Apply For Rooftop Solar Portal
M/o New & RenewableEnergy
Open

37 वीं विशाल शोभा यात्रा
शिवरात्रि महोत्सव कमेटी (रजि:)
वीरवार 7 मार्च 2024

THE WHITE TEAK COMPANY

Hindi News

अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एचसीयू की टीम प्रथम

Girish Saini Mar 5, 2024 10:20

HAMPTON HOMES 300+ FAMILIES STRONG

खानपुर कलां,गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि, महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण, डॉ एन एस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ ओमवीर उपस्थित रहे।

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक हैं।

भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बीपीएसएमवी, केयू, एचसीयू, सीआरएसयू, आईजीयू एवं सीबीएलयू की टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डॉ ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया।

इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। सर्वाधिक अंक लेकर एचसीयू की टीम ने यह प्रतियोगिता जीती। केयू की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुलसचिव डॉ नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस दौरान विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: HCU team stands first | Inter University Quiz Competition

PREVIOUS ARTICLE: भारतीय समाज व राष्ट्र के उत्थान के लिए महर्षि दयानंद सरस्वती के योगदान को सभी भूलाया...
NEXT ARTICLE: भारत 2047 तक विश्व गुरु बन जाएगा: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

RELATED POSTS
गुजवि ने इंटर यूनिवर्सिटी क्रास कंट्री प्रतियोगिता में जीते...
एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों ने किया...
भारत 2047 तक विश्व गुरु बन जाएगा: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

COMMENTS
Name | Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

WEDNESDAY 6TH OF MARCH 2024 04:26:57 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
BRS leaders leave for Medigadda to counter Cong govt's...
Sapt Sindhu Literature Fest Delves into Punjab's Rich heritage...
BJP worker hacked to death in K'taka, family suspects 'supari'...
B'luru cafe blast accused visuals traced, police launch...
FTCCI organised full-day MSME Conclave

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Lifestyle
5 caffeine-free ways to boost energy naturally
For the adventurous woman solo travelling
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechinFormation
Terms & Conditions Privacy Policy

CITY AIR NEWS
DEDICATED TO LATE SHRI H.R. DHIMAN (JOURNALIST) | STRAIGHT FORWARD

Hindi News

बदलते सामाजिक-राजनीतिक समय में भविष्य के राजनीतिक नेतृत्व के लिए उचित प्रशिक्षण जरूरी: कुलपति प्रो सुदेश

भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारंभ।

Girish Saini Mar 5, 2024 10:09

Facebook | Twitter

खानपुर कलां, गिरिश सैनी। महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। जिनमें महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए व्यक्त किए।

भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषयक इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल देते हुए कुलपति ने कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। उन्होंने आईएसडी (इंडियन स्कूल आफ डेमोक्रेसी) सहित कुछ अन्य संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व के लिए इन संस्थानों द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य आवश्यक बातें सिखाई जा रही हैं। कुलपति ने छात्राओं से राजनीतिक नेतृत्व पर मौलिक चिंतन करने का आह्वान करते हुए कहा कि हम जो भी करें, उसे पूरी विश्वसनीयता के साथ करें।

आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्राचार्य डॉ कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत करते हुए अपने संबोधन में चिंतन से पहले नेता के गुणों व विशेषताओं के बारे में जानने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय क्षमता, संवाद कौशल, सक्षम, निपुणता आदि गुण राजनीतिक नेतृत्व के लिए जरूरी हैं। दुनिया भर में नेतृत्व के अभाव पर बात करते हुए डॉ कुशल पाल ने कहा कि भारत बाकी दुनिया से अलग है और हमारे देश में नेतृत्व के लिए संवैधानिक प्रतिमान उपलब्ध है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार ने भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता का संकट विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व को लेकर समाज का दृष्टिकोण निर्धारित करने में मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो सुदेश ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने किया। प्रारंभ में संगोष्ठी के कन्वीनर एवं राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ रामपाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी निदेशक एवं आईएचएल की प्राचार्य डॉ वीणा ने स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो सुदेश के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में महिला विश्वविद्यालय निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। इस मौके पर कुलपति प्रो सुदेश ने संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस दौरान डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा, डीन छात्र कल्याण प्रो श्वेता हुड्डा, प्रो इन्दिरा ढुल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: changing socio political times | proper training necessary | future political leadership | VC Prof Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
एसवीएसयू के 12 शोधार्थी पीएचडी डिग्री के पात्र घोषित

NEXT ARTICLE
राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगे हिंदू कॉलेज के दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि

RELATED POSTS
गुजवि ने इंटर यूनिवर्सिटी कल्चरल फेस्ट स्पंदन में जीते...
एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों ने किया...
भारत 2047 तक विश्व गुरु बन जाएगा: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

COMMENTS
Name | Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

WEDNESDAY 6TH OF MARCH 2024 04:28:05 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
BRS leaders leave for Medigadda to counter Cong govt's...
Sapt Sindhu Literature Fest Delves into Punjab's Rich heritage...
BJP worker hacked to death in K'taka, family suspects 'super'...
B'luru cafe blast accused visuals traced, police launch...
FTCCI organised full-day MSME Conclave

FOLLOW US
Facebook | Twitter | Pinterest | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS
Lifestyle
5 caffeine-free ways to boost energy naturally
For the adventurous woman solo travelling
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

CITY AIR NEWS
The web portal that brings the latest breaking news in Ludhiana and the way across Punjab is using international language i.e. English for daily news. Even today's headline in English was liked by many. The website has business news in English, latest Bollywood gossips, sports updates and political news.

RANDOM POSTS
गीता का दर्शन कर्म पर आधारित: चंद्रशेखर
Thinnest range of chips 'Lay's Wafer Style' launched
Numeric redefines standards in single-phase UPS with launch...

SOCIAL MEDIA
Subscribe here to get interesting stuff and updates!
Email Address | Subscribe

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation | Terms & Conditions | Privacy Policy

Mehar | Women Dresses Online
Indian Dresses-Indian Clothing For Women. Buy Clothes Online in India.
Mehar Shop now

Education

VC Prof Sudesh motivated girl students to acquire leadership roles

India is the only country where measures are taken to include women in political leadership. The Women's Reservation Bill is a major step in this direction. There is a lot of potential for women to take up leadership roles. Vice Chancellor of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV) Prof. Sudesh said this in her presidential address in the two-day national seminar organized by the Department of Political Science of the Institute of Higher Learning.

Girish Saini

Facebook Twitter

HAMPTON HOMES 300+ FAMILIES STRONG

Khanpur Kalan, March 5, 2024: India is the only country where measures are taken to include women in political leadership. The Women's Reservation Bill is a major step in this direction. There is a lot of potential for women to take up leadership roles. Vice Chancellor of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV) Prof. Sudesh said this in her presidential address in the two-day national seminar organized by the Department of Political Science of the Institute of Higher Learning.

The national seminar on "Changing Pattern of Leadership in India" is sponsored by ICSSR, New Delhi. VC Prof. Sudesh said that we have academic institutes and related courses available to gain mastery in every field. But no training is given for political leadership. Emphasizing the need for leadership training in the rapidly changing socio-political equations, VC Prof. Sudesh said that proper training is necessary for aspirant leaders.

In her inspirational address, VC Prof. Sudesh said that earlier there was a perception that politics is not for good people, but now educated youth coming into this field is a good initiative. She also gave examples of some institutions providing leadership capacity building programs including ISD (Indian School of Democracy). The Vice Chancellor motivated the girl students to acquire leadership roles.

Dr. Kushal Pal, Principal of Indira Gandhi National College, Ladwa; in his keynote address said that it is important to know about the qualities of a leader. He said that qualities like quick decision making, communication skills, competency, efficiency etc. are necessary for political leadership. He also mentioned the crisis of leadership in the whole world as well as the decay of democracy. Dr. Kushal Pal talked about the constitutional paradigm in India.

Guest of Honour, Dr. Ramesh Kumar, Chairman of the Department of Political Science, Central University of Haryana, Mahendragarh, shared his views on the crisis of credibility in Indian politics. He also described the significant role media play in creating the narrative of society about leadership.

VC Prof. Sudesh, along with other guests, inaugurated the seminar by lighting the lamp. Dean, Faculty of Social Sciences, Prof. Ravi Bhushan conducted the inaugural session. Seminar convener and Chairman of the Department of Political Science, Dr. Rampal highlighted the outline of the program. Seminar Director and Principal of IHL, Dr. Veena presented the welcome address.

VC Prof. Sudesh also released the souvenir of the seminar. The inaugural session ended with the national anthem. The Vice Chancellor also administered the oath to the people present to vote responsibly. Seven technical sessions are being organized in this national seminar, in which about 100 faculty members and research scholars from 15 universities of 10 states including West Bengal, Bihar, Haryana, Punjab, Delhi are participating.

Tags: VC Prof Sudesh motivated girl students | acquire leadership roles

PREVIOUS ARTICLE: Lyallpur Khalsa College hosted PLASMA-2024
NEXT ARTICLE: RV University to host India's first-ever Teen Indie Film Awards 2024

RELATED POSTS
Entrance exam held at BPSMV for SSB Guidance Programme
Delhi HC revises EWS quota income limit for school admissions
Innovation Triumphs: CMRIT celebrates remarkable achievement...

COMMENTS

Name | Email | Comment | I'm not a robot | Post Comment

WEDNESDAY 6TH OF MARCH 2024 04:28:52 PM

POPULAR POSTS
BRS leaders leave for Medigadda to counter Cong govt's...
Sapt Sindhu Literature Fest Delves into Punjab's Rich heritage...
BJP worker hacked to death in K'taka, family suspects 'super'...
B'luru cafe blast accused visuals traced, police launch...
FTCCI organised full-day MSME Conclave

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
5 caffeine-free ways to boost energy naturally
For the adventurous woman solo travelling
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2024 Cityair-news - All Rights Reserved. Designed & Developed by TechieFromindia Terms & Conditions Privacy Policy

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित करते कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक व अन्य।

गोहाना, 5 मार्च (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि, महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक द्वारा किया गया ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण, डॉ. एम एस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. ओमवीर उपस्थित रहे। बीपीएस कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रतियोगिता को छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक बताया। भूगोल विभाग की अध्यक्षा डॉ. कोकिला मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता में बीपीएस, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, चौ रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर एवं चौ बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की टीमों ने भाग लिया जिसमें प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। प्रतियोगिता में डॉ. ओमवीर ने क्विज मास्टर व 10 राउंड आयोजित किए गए जिसमें सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम विजेता रहीं।

गांव सिठाना में मनाया महिला दिवस

पानीपत, 5 मार्च (सुधाकर): ब्रेकथ्रू संस्था ने महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से गांव सिठाना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को गांव वासियों के साथ मिलकर मनाया। ब्रेकथ्रू से प्रदीप कुमार ने कहा कि महिला दिवस पहली बार वर्ष 1911 में क्लारा जेटकिन द्वारा मनाया गया था। वहीं वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। वहीं महिलाओं को लड़की हाथ से निकल जाएगी नामक वीडियो दिखाई गई एवं बातचीत की गई की लड़कियों को उनके सपने पूरे करने दीजिए। आंगनवाड़ी वर्कर सुमन ने कहा कि सभी को अपनी बेटी व बेटे को पढ़ाना चाहिए। इस मौके पर आंगनबाड़ी वर्कर्स सुमन, सुषमा, रितु, ब्रेकथ्रू से कुलदीप उपस्थित रहे।

अजीत समाचार 06-Mar-2024
Page: 9
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20240306/27/9/1_1.cms

'भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

गोहाना, 5 मार्च (रामनिवास धीमान): 'भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप' विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय बेहद वृहद है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता तथा भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है जिसके लिए राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन करते हुए उक्त व्यक्त किए। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्राचार्य डॉ. कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार शिरकत की उद्घाटन सत्र का संचालन डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने उपस्थित जन को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो. अशोक वर्मा, डीन छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुड्डा, प्रो. इप्शिता बंसल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्मारिका का विमोचन करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य सैमीनार का आयोजन

भिवानी, 5 मार्च (भारत भूषण शर्मा): जेसीआई भिवानी स्टार द्वारा मनाए जा रहे जेसीआई वूमैन वीक के दूसरे दिन मंगलवार को स्थानीय वैश्य महाविद्यालय में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल से डॉ. सुमन पन्नु एवं डॉ. जगदीश जांगड़ा पहुंचे, जिन्होंने विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने की।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
06-Mar-2024
Page: 10
http://www.ajitsamachar.com/20240306/27/10/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 06 Mar 2024 - Page 3

भगत फूल सिंह महिला विवि में अंतर विवि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी में केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ की टीम विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विवि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की मुख्यातिथि विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक और विशिष्ट अतिथि डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण, डॉ. एम एस जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. ओमवीर रहे। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक है। भूगोल विभाग की अध्यक्षा डॉ. कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बीपीएस महिला विवि, खानपुर कलां, कुरुक्षेत्र विवि, कुरुक्षेत्र, हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़, चौ रणबीर सिंह विवि, जींद, इंदिरा गांधी विवि, मीरपुर एवं चौ बंसीलाल विवि, भिवानी की टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य शामिल रहे। डॉ. ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ की टीम ने यह प्रतियोगिता जीती। कुरुक्षेत्र विवि की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोहाना। कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 06 Mar 2024 - Page 4

राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा

महिलाएं राजनीतिक नेतृत्व में आगे आएं

गोहाना। गांव घड़वाल में ग्रामीणों से रूबरू होते हुए विधायक इन्दुराज नरवाल व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। वे बुधवार को इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन कर रही थीं। यह संगोष्ठी भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप विषय पर आयोजित हुई।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। कुलपति ने तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया। प्रो. सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्राचार्य डॉ. कुशल पाल रहे। विशिष्ट अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार थे। संचालन प्रो. रवि भूषण ने किया और स्वागत भाषण राजनीति विभागाध्यक्ष डॉ. रामपाल ने दिया। संगोष्ठी में देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. श्वेता हुड्डा और प्रो. इप्शिता बंसल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय विजेता तो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उप विजेता बना

महिला विश्वविद्यालय में अंतर विश्वविद्यालय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

गोहाना मुद्रिका, 5 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई। सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम प्रथम तो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही।

विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ नीलम मलिक ने किया। विशिष्ट अतिथि डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण, डॉ एम.एस. जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. ओमवीर रहे।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं। भूगोल विभाग की अध्यक्ष डॉ. कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, चौ रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर एवं चौ बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की टीमों ने भाग लिया।

प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डॉ ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। कुलसचिव डॉ नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रीराम शरणम के 90 दिन के अखंड जप यज्ञ का समापन 10 को होगा

गोहाना मुद्रिका, 5 मार्च : श्रीराम शरणम मिशन के 90 दिन के वार्षिक अखंड जप यज्ञ का समापन शहर में जींद रोड पर स्थित श्रीराम शरणम मंदिर में 10 मार्च को होगा। समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12 बजे का रहेगा। सानिध्य श्रीराम शरणम के प्रमुख पूज्य पिता कृष्ण विज जी और गुरु मां रेखा विज जी का रहेगा। यह अखंड जप यज्ञ 10 दिसंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था। अखंड जप यज्ञ प्रति वर्ष दिसंबर में प्रारंभ और अगले वर्ष मार्च में पूर्ण होता है। इस का आयोजन विश्व भर में शांति और सौहार्द की मंगलकामना के साथ किया जाता है।

तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की आवश्यकता : प्रो. सुदेश

"भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप" विषय पर महिला विश्वविद्यालय में दो दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

गोहाना मुद्रिका, 5 मार्च : महिलाओं को राजनीतिक नेतृत्व में आगे आना चाहिए। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां राजनीतिक नेतृत्व में महिलाओं को जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में महिला आरक्षण बिल एक बड़ा कदम है। यह उद्गार मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का विषय "भारत में नेतृत्व का बदलता स्वरूप" है। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए हमारे पास शिक्षण संस्थान और संबद्ध पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। लेकिन राजनीतिक नेतृत्व के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। उन्होंने तेजी से बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों में नेतृत्व प्रशिक्षण की जरूरत पर बल दिया और कहा कि भविष्य के नेताओं के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए विशेष कोर्स प्रारंभ किए जाने को वर्तमान समय की जरूरत बताया।

प्रो सुदेश ने कहा कि पहले यह धारणा बनी हुई थी कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अब शिक्षित युवाओं का इस क्षेत्र में आना एक अच्छी पहल है। उन्होंने आई.एस.डी. (इंडियन स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी) सहित कुछ अन्य संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व के लिए इन संस्थानों द्वारा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य आवश्यक बातें सिखाई जा रही हैं। वी.सी. ने राजनीतिक नेतृत्व पर मौलिक चिंतन करने की जरूरत उभारी और कहा कि हम जो भी करें, उसे पूरी विश्वसनीयता के साथ करें।

आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के प्रिंसिपल डॉ कुशल पाल ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। डॉ कुशल पाल ने चिंतन से पहले नेता के गुणों व विशेषताओं के बारे में जानने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय क्षमता, संवाद कौशल, सक्षम, निपुणता आदि गुण राजनीतिक नेतृत्व के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी गुण जन्मजात नहीं होता, बल्कि इंसान मेहनत से खुद में नेतृत्व क्षमता पैदा कर सकता है। उन्होंने नेतृत्व की भूमिका को देश की दशा-दिशा निर्धारित करने में अहम बताया। दुनिया भर में नेतृत्व के अभाव पर बात करते हुए डॉ कुशल पाल ने कहा कि भारत बाकी दुनिया से अलग है और हमारे देश में नेतृत्व के लिए संवैधानिक प्रतिमान उपलब्ध है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रमेश कुमार रहे। उन्होंने भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता का संकट विषय पर अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र का संचालन डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने किया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। वी.सी. प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को जिम्मेदारी से मतदान करने की शपथ भी दिलाई। संगोष्ठी के कन्वीनर एवं राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ रामपाल, संगोष्ठी निदेशक एवं आई.एच.एल. की प्रिंसिपल डॉ. वीणा, आयोजन सचिव डॉ सुमन कुहाड़ आदि का विशेष सहयोग रहा।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सात तकनीकी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली सहित देश के 10 राज्यों के 15 विश्वविद्यालयों से लगभग 100 शिक्षक एवं शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा, डीन छात्र कल्याण प्रो श्वेता हुड्डा, प्रो इप्सिता बंसल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

nalanda INSTITUTIONS
Where Excellence is a Habit
nalanda INTERNATIONAL SCHOOL
+91-9467070430
E-mail: Info@nalandainternationalschool.org
Website: www.nalandainternationalschool.org
nalanda WORLD SCHOOL
+91-70304 08003
E-mail: info@nalandaworldschool.in
Website: www.nalandaworlndschool.in
"The direction in which education starts a person, will determine his future life."
2024-25
ADMISSION
OPEN
06 Km Milestone
Jind Road,
Gohana-131301,
Dist. Sonipat, Haryana

MANN
INTERNATIONAL SCHOOL
2024-25
ADMISSION
NOW OPEN
FOR CLASSES
Nur. to IX & XI
Medical, Non-Medical, Commerce, Humanities
For More Info :
9138274551
7278282825
7278282826
5th K.M. Mile Stone, Gohana-Kharkhoda Road, GOHANA, Sonipat (Hr.)

महाशिवरात्रि पर पूठी गांव के शिव मंदिर में लगेगा रक्तदान शिविर

गोहाना मुद्रिका, 5 मार्च : पूठी गांव के शिव मंदिर में 8 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक रक्तदान शिविर लगेगा। साथ में मंदिर का वार्षिक भंडारा भी होगा। भंडारा और रक्तदान शिविर ग्राम पंचायत और शिव मंदिर कमेटी द्वारा आयोजित किए जाएंगे। अध्यक्षता पूठी गांव के सरपंच आनंद सिंह करेंगे। संयोजन शिव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जयपाल दलाल का होगा। आयोजन समिति गांव के पूर्व सरपंच राम कुमार सैनी, आजाद सिंह, रणबीर सिंह, रमेश कुमार और बल्लू पर आधारित होगी।

पंजाब केसरी
WED,06 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

केंद्रीय विश्वविद्यालय विजेता तो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उप विजेता बना

महिला विश्वविद्यालय में अंतर विश्वविद्यालय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

गोहाना, 5 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई। सर्वाधिक अंक लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम प्रथम तो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही।

विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ नीलम मलिक ने किया। विशिष्ट अतिथि डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण, डा. एम.एस. जागलान एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डा. ओमवीर रहे।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं। भूगोल विभाग की अध्यक्ष डा. कोकिला मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर एवं चौ बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की टीमों ने भाग लिया।

प्रत्येक टीम में तीन सदस्य रहे। डा. ओमवीर ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन श्रीलेखा चौबे ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 राउंड आयोजित किए गए। कुलसचिव डा. नीलम मलिक एवं अन्य अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंतर विश्वविद्यालय भूगोल प्रश्नोत्तरी की विजेता और उप विजेता टीमों की सदस्य छात्राएं। (अरोड़ा)